प्राचीन काल के प्रमुख सांगितिक ग्रंथों में संगीत

नमिता कुमारी

भारत में संगीत कला अराधना प्रागैतिहासिक काल से आज तक चली आ रही है। वैदिक काल में संगीत का शैशव काल था, परंतु संगीत के आधारभूत नियमों को वैदिक काल में ऋषियों ने खोज निकाला था। पुराणों के काल में हमारा संगीत किशोरावस्था में पहुँच गया। संगीत एक स्वतंत्र शास्त्र बन गया । वाल्मीकि रामायण, महाभारत के काल तक हमारे संगीत का पर्याप्त विकास हो चुका था किन्तु उस विकसित संगीत का कोई भी शास्त्र उपलब्ध नहीं होता। गान्धर्व वेद का उल्लेख तो अवश्य मिलता है, किन्तु इसका निर्माण कब हुआ इसका संकेत नहीं मिलता है। प्राचीन समय के भारतीय संगीत का यदि कोई भी शास्त्र उपलब्ध है तो भरत का नाट्यशास्त्र ।